गुरुपर्व – क्रिया अभ्यास

जिस शब्द से किसी काम के करने या होने का पता चले, उसे क्रिया कहते हैं। सभी भाग करो।

हरप्रीत का गुरुपर्व



गुरु नानक देव जी सिखों के पहले गुरु थे। उनके जन्मदिन को गुरुपर्व या प्रकाश पर्व कहते हैं। इस दिन हरप्रीत सुबह जल्दी उठी। उसने नए कपड़े पहने और सिर पर चुन्नी ओढ़ी। फिर पूरा परिवार गुरुद्वारे गया। वहाँ सबने मत्था टेका और शबद कीर्तन सुना। इसके बाद सब लंगर में एक साथ बैठे और प्रेम से भोजन किया। हरप्रीत के भाई ने सबको पानी पिलाया। शाम को उन्होंने घर पर दीये जलाए।



(क) गद्यांश पढ़कर सही क्रिया से खाली जगह भरो।

क्रिया शब्द: टेका | जलाए | उठी | पिलाया | किया

1. हरप्रीत सुबह जल्दी _____ ।
2. गुरुद्वारे में सबने मत्था _____ ।
3. लंगर में सबने प्रेम से भोजन _____ ।
4. भाई ने सबको पानी _____ ।
5. शाम को उन्होंने घर पर दीये _____ ।

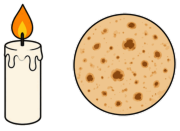
(ख) वाक्यों में क्रिया शब्द पर गोला लगाओ।



1. बच्चे गुरुद्वारे में शबद गाते हैं।
2. दादी जी कड़ाह प्रसाद बाँटती हैं।
3. पापा ने घर पर रंग-बिरंगी लाइटें लगाईं।
4. नगर कीर्तन में लोग फूल बरसाते हैं।
5. मनप्रीत ने लंगर में रोटियाँ परोसीं।
6. रवि ने गुरुद्वारे के बाहर जूते उतारे।

(ग) किस चीज़ के साथ कौन-सा काम होता है? रेखा खींचकर मिलाओ।

दीया	उतारना
शबद	ढकना
सिर	जलाना
प्रसाद	बाँटना
जूते	गाना



(घ) 'जलाना' और 'बाँटना' क्रिया से एक-एक वाक्य बनाओ।

paperworx